FOR THE MONTH OF AUGUST

अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले

निदा फाज़ली

I प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. बड़े-बड़े बिल्डर समुद्र को पीछे क्यों धकेल रहे थे?

उ०- बड़े-बड़े बिल्डर समुद्र को पीछे धकेलकर उसकी जमीन हथियाना चाह रहे थे ताकि वे वहाँ पर अपनी बड़ी-बड़ी इमारते खड़ी करके ढेर सारा धन कमा सके।

2. जीवन कैसे घरों में सिमटने लगा?

उ० पहले लोग बड़े-बड़े घरों में संयुक्त परिवार के रुप में रहते थे किंतु अब सब लोग व्यक्तिवादी भावना से अभिभूत हैं इसलिए अब जीवन छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में सिमटने लगा है।

3. लेखकी माँ ने पूरे दिन का रोजा क्यों रखा?

उ० लेखक की माँ कबूतर के एक अंडे को बिल्ली की पहुँच से दूर करने के लिए स्टूल पर चढ़कर सुरक्षित करने लगी, परंतु अंडा उनके हाथ से गिरकर टूट गया। इसके प्रायश्चित में उन्होंने पूरे दिन का रोज़ा रखा।

4. डेरा डालने से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए

उ० 'डेरा डालने' का आशय है - अस्थाई रुप से बसना। अक्सर खानाबदोश जातियाँ डेरा डालकर रहती हैं क्योंकि उनके स्थायी घर नहीं होते।

Scanned with OKEN Scanner

5. बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा ?

उ० बढ़ती आबादी ने पर्यावरण के संतुलन को बिगाड़ कर रख दिया है। मानव ने समुद्र की लहरों को सीमित कर दिया है। समुद्र के रेतीले तटों पर भी मानवों ने बस्ती बसा दी। आस-पास के जंगल काट डाले। पेड़ों को रास्तों से हटा दिया परिणामस्वरूप पशु - पक्षी बस्तियाँ छोड़कर भाग गए। वातावरण में गरमी बढ़ने लगी। मौसम चक्र टूट गया। बरसातें बेवक्त होने लगीं। कभी तूफान, कभी आँधियाँ, कहीं बाढ़ें, तो कहीं नए-नए रोग पैदा होने लगे। इस प्रकार बढ़ती आबादी से पर्यावरण दूषित हो गया।

कर चले हम फिदा

कैफी आज़मी

1. 'सर हिमालय का हमने न झुकने दिया' इस पंक्ति में हिमालय किस बात का प्रतीक है ?

उ० इस पंक्ति में हिमालय भारत के मान- सम्मान का प्रतीक है। 1962 में भारत, चीन की लड़ाई हिमालय की घाटियों में लड़ी गई थी। हमारे अनेक सैनिक इस युद्ध में लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। हिमालय की बर्फीली चोटियों पर भारतीय जवानों ने बहादुरी और बलिदान की अनोखी मिसाल कायम की थी। भारतीय सेना के वीर जाँबाजों ने अपने प्राणों का बलिदान देकर भारत के सम्मान की रक्षा की थी।

Scanned with OKEN Scanner

इस गीत में धरती को दुल्हन क्यों कहा गया है?

उ॰ इस गीत में धरती को दुल्हन इसलिए कहा गया है क्योंकि दूल्हा अपनी दुल्हन को पाने के लिए तथा उनके मान-सम्मान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान करने को उत्सुक थे। सैनिकों ने अपने बलिदान के खून से धरती रूपी दुलहन की माँग भरी थी। अतः सैनिक देश की रक्षा करते हुए मौत को गले लगाकर धरती को ही अपनी दुलहन स्वीकार करते हैं।

2. कवि ने इस कविता में किस काफ़िले को आगे बढ़ाते रहने की बात कही है?

उ॰ 'काफिले' शब्द का अर्थ है - यात्रियों का समूह। देश के लिए न्योछावर होनेवाले अर्थात देश के मान-सम्मान व रक्षा की खातिर अपने सुखों को त्याग कर, मर मिटने वाले बलिदानियों के काफ़िले को आगे बढ़ते रहने की बात कही है।

4. 'रहे कुर्बानियों की न वीरान हो' - का आशय स्पष्ट कीजिए।

उ॰ उपर्युक्त पंक्ति का अर्थ यह है कि कुर्बानी देने वालों की कमी नहीं होनी चाहिए।

5. 'छू न पाए सीता का दामन कोई' का क्या अर्थ है

उ॰ कवि ने इस पंक्ति द्वारा यह कहा है कि भारत माता का अपमान न हो।

सूचना लेखन : व्याकरण किताब से जाँच ले P.No. 139, 140, 141, 142 & 143

पतझर में टूटी पत्तियाँ

2. जापान में चाय पीने की विधि को क्या कहते हैं?

Scanned with OKEN Scanner

उ० . जापानी में चाय पीने की विधि को 'चा-नो-यू' कहते हैं, जिसका अर्थ है - 'टी-सेरेमनी' और चाय पिलानेवाला चाजीन कहलाता है।

3. टी सेरेमनी' में कितने आदमियों को प्रवेश दिया जाता था और क्यों?

उ० 'टी सेरेमनी' में केवल तीन आदमियों को प्रवेश दिया जाता था। इस सेरेमनी का मुख्य उद्देश्य है - शांतिमय वातावरण।

4. लेखक के मित्र ने मानसिक रोग के क्या-क्या कारण बताए? आप इन कारणों से कहाँ तक सहमत हैं?

उ० - लेखक के मित्र ने मानसिक रोग का कारण बताया है कि जापानियों ने अमेरिका की आर्थिक गति से प्रतिस्पर्धा करने के कारण अपनी दैनिक दिनचर्या की गति बढ़ा दी। यहाँ कोई चलता नहीं, बल्कि दौड़ता है। वे एक महीने का काम एक दिन में करने का प्रयास करते हैं, इस कारण वे शारीरिक व मानसिक रूप से बीमार रहने लगे हैं। लेखक के ये विचार सत्य हैं क्योंकि शरीर और मन मशीन की तरह कार्य नहीं कर सकते और यदि उन्हें ऐसा करने के लिए विवश किया गया तो उनका मानसिक संतुलन बिगड़ जाना अवश्यंभावी है।

5. प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट किसे कहते हैं?

उ० प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट उन्हें कहते हैं जो आदर्शों को व्यावहारिकता के साथ प्रस्तुत करते हैं। इनका समाज पर गलत प्रभाव पड़ता है क्योंकि ये कई बार आदर्शों से पूरी तरह हट जाते हैं और केवल अपने हानि-लाभ के बारे में सोचते हैं। ऐसे में समाज का स्तर गिर जाता है।

Scanned with OKEN Scanner